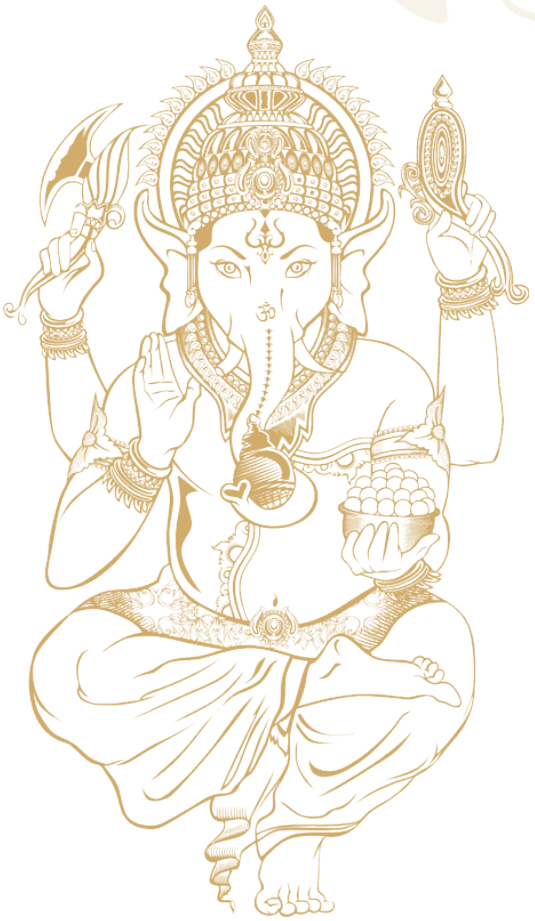

Bajrang

10 Aug 1999

02:30 AM

Nanded

Model: web-freekundliweb

Order No: 121411002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/08/1999**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	51:48:20 घटी
स्थान	**Nanded**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:20:31 घंटे
सूर्योदय	05:46:40 घंटे
सूर्यास्त	19:06:13 घंटे
दिनमान	13:19:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:58:49 कर्क
लग्न के अंश	09:38:05 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:38:05	325:56:58	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			कर्क	22:58:49	00:57:33	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	02:01:58	14:18:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			तुला	22:08:04	00:32:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कर्क	05:30:26	00:25:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:45:29	00:02:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	09:00:18	00:24:49	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			मेष	22:58:28	00:02:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	19:07:04	00:00:07	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			मक	19:07:04	00:00:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:53:03	00:02:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:44:23	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:54:45	00:00:18	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	25:24:19	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:54

लग्न-चलित

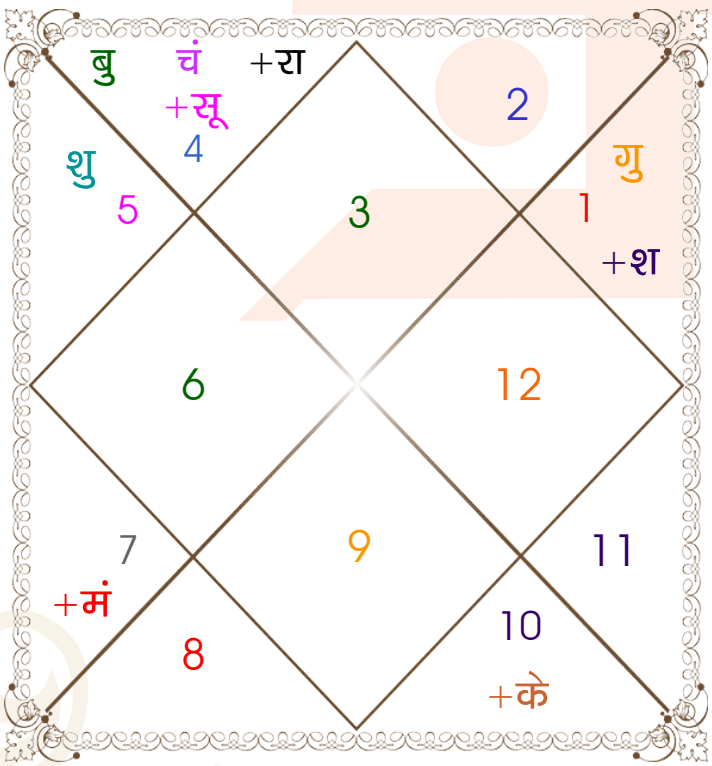

चन्द्र कुंडली

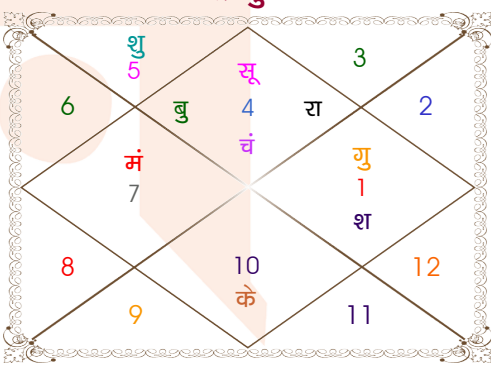

नवमांश कुंडली

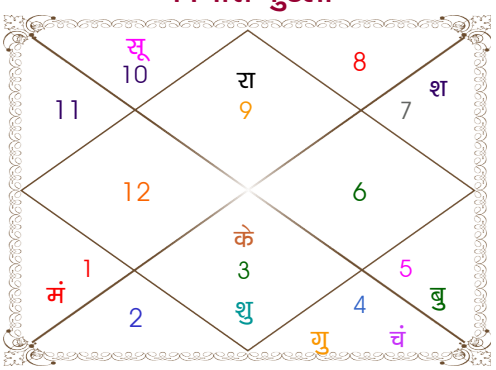

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 6 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/08/1999		02/03/2001		01/03/2020		02/03/2037		01/03/2044	
02/03/2001		01/03/2020		02/03/2037		01/03/2044		01/03/2064	
	00/00/0000	शनि	04/03/2004	बुध	29/07/2022	केतु	29/07/2037	शुक्र	02/07/2047
	00/00/0000	बुध	13/11/2006	केतु	26/07/2023	शुक्र	28/09/2038	सूर्य	01/07/2048
	00/00/0000	केतु	22/12/2007	शुक्र	26/05/2026	सूर्य	03/02/2039	चंद्र	02/03/2050
	00/00/0000	शुक्र	21/02/2011	सूर्य	02/04/2027	चंद्र	04/09/2039	मंगल	02/05/2051
	00/00/0000	सूर्य	03/02/2012	चंद्र	31/08/2028	मंगल	31/01/2040	राहु	02/05/2054
	00/00/0000	चंद्र	03/09/2013	मंगल	28/08/2029	राहु	17/02/2041	गुरु	31/12/2056
	00/00/0000	मंगल	13/10/2014	राहु	17/03/2032	गुरु	24/01/2042	शनि	01/03/2060
	10/08/1999	राहु	19/08/2017	गुरु	22/06/2034	शनि	05/03/2043	बुध	31/12/2062
राहु	02/03/2001	गुरु	01/03/2020	शनि	02/03/2037	बुध	01/03/2044	केतु	01/03/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/03/2064		02/03/2070		01/03/2080		02/03/2087		03/03/2105	
02/03/2070		01/03/2080		02/03/2087		03/03/2105		11/08/2119	
सूर्य	19/06/2064	चंद्र	31/12/2070	मंगल	29/07/2080	राहु	12/11/2089	गुरु	21/04/2107
चंद्र	19/12/2064	मंगल	01/08/2071	राहु	16/08/2081	गुरु	07/04/2092	शनि	01/11/2109
मंगल	25/04/2065	राहु	30/01/2073	गुरु	23/07/2082	शनि	12/02/2095	बुध	07/02/2112
राहु	20/03/2066	गुरु	01/06/2074	शनि	01/09/2083	बुध	31/08/2097	केतु	13/01/2113
गुरु	06/01/2067	शनि	01/01/2076	बुध	28/08/2084	केतु	19/09/2098	शुक्र	14/09/2115
शनि	19/12/2067	बुध	01/06/2077	केतु	24/01/2085	शुक्र	20/09/2101	सूर्य	02/07/2116
बुध	25/10/2068	केतु	31/12/2077	शुक्र	26/03/2086	सूर्य	14/08/2102	चंद्र	01/11/2117
केतु	02/03/2069	शुक्र	01/09/2079	सूर्य	01/08/2086	चंद्र	13/02/2104	मंगल	08/10/2118
शुक्र	02/03/2070	सूर्य	01/03/2080	चंद्र	02/03/2087	मंगल	03/03/2105	राहु	11/08/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।